E-Learning material prepared by Dr. Dhananjay Vasudeo Dwivedi, Assistant Professor, Department of Sanskrit, Dr. Shyama Prasad Mukherjee University, Ranchi

वेणीसंहार के चतुर्थ अंक का सारांश

डा० धनञ्जय वासुदेव द्विवेदी

सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग,

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

दुःशासन को बचाने के लिए दुर्योधन अपनी पूरी शक्ति से विकट संग्राम का सामना करने पर भी अधिक देर टिक नहीं पाता है। अन्त में भीम की प्रचंड गदा से मुर्छित हो जाता है। उसे बचाने के लिए सूत रथ पर दूर ले जाता है। वह तभी भीम को यह कहते सुनता है कि दुःशासन का रक्तपान कर चुका हूँ। उसे भय होता है कि कहीं दुर्योधन विषयक प्रतिज्ञा भी वह आज ही न पूरी करे। इसलिए वह रथ लेकर एकान्त में एक वटवृक्ष के नीचे पहुँचता है। दुर्योधन को चेतना प्राप्त होने पर वह भीम का सिंहनाद सुनकर तत्काल दुःशासन की रक्षा करने के लिए सन्नद्ध होता है, किन्तु सारथि उसे समझा-बुझाकर रोकता है और कहता है कि जो होना था वह हो गया। अब वहाँ जाने से कोई लाभ नहीं। दुर्योधन दुःशासन के वध का समाचार पाकर विलाप करने लगता है। तभी सुन्दरक नामक कर्ण का परिचर वहाँ आकर युद्ध की प्रगति का वृत्त दुर्योधन को देता है कि दुःशासन के वध के पश्चात् अर्जुन कर्ण से लड़ने लगा। वृषसेन ने अपने पिता कर्ण की सहायता के लिए घोर संग्राम किया। परस्पर युद्ध करते हुए भीम और कर्ण अपना युद्ध स्थगित करके उन दोनों (अर्जुन और वृषसेन) का युद्ध देखने लगे। अन्त में अर्जुन ने वृषसेन को मार डाला।

दुर्योधन वृषसेन के मृत्यु के समाचार से पुनः मूर्च्छित हो जाता है। सचेत होने पर वह सुन्दरक से पूछता है- फिर क्या हुआ? कर्ण ने क्या किया? सुन्दरक बताता है कि अर्जुन पर कर्ण ने आक्रमण कर दिया। कर्ण के रथ के घोड़े मारे गये और रथ का कूबर टूट गया। वह युद्ध के काम के योग्य नहीं रह गया। उस रथ पर से उतरने पर कर्ण ने मुझे आपके पास एक पत्र देकर भेजा है। पत्र में कर्ण ने अपनी असमर्थता की चर्चा करते हुए लिखा था-

त्वं दुःखप्रतिकारमेहि भुजयोर्वीर्येण बाष्पेण वा।

दुर्योधन सुन्दरक के द्वारा कर्ण को सन्देश भेजता है कि मैं भी युद्ध में साथ देने के लिए आ रहा हूँ। सुन्दरक के जाने के पश्चात् दुर्योधन भी रथ से जाना चाहता है। तभी धृतराष्ट्र और गान्धारी वहाँ आ पहुँचते है। दुर्योधन अपने को छिपाना चाहता है। पर सूत के कहने पर वह माता-पिता को प्रणाम करने के लिए राजी होता है।